B.A. 3

Short Notes. ~~Full~~ second

- ध्रुपद की रचना का वर्णन भावभट्ट ने किया है।
- 'राग चंद्रिकासार' ग्रंथ पं० विष्णु शर्मा का लिखा हुआ है।
- 'संगीत समयसार' ग्रंथ के ताल अध्याय को 63 श्लोकों में समाप्त किया गया है।
- सामगान के चौदह प्रकार के स्तोभाक्षरों का प्रयोग किया गया है।
- संगीत मकरंद में नपुंसक रागों के तेरह प्रकार बताये गये हैं।
- संगीत मकरन्द ग्रंथ में रागों के स्त्रीलिंग ~~को~~ व पुल्लिंग स्वरूप का उल्लेख किया गया है।

- मतंग ने देशी रागों का संबंध देशी धुनों से होने का उल्लेख किया है।
- 'ए हिस्टोरिकल डवलपमेंट आफ इण्डियन म्यूजिक' नामक पुस्तक के लेखक स्वामी प्रज्ञानानन्द है।
- अलाउद्दीन खाँ सैनिया घराने के संगीतज्ञ थे।
- बाल कृष्ण बुवा इचलकरंजीकर का संबंध ग्वालियर घराने से रहा है।
- स्वामी हरिदास का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- 'चलवीणा व अचल वीणा का उल्लेख नाट्यशास्त्र में किया गया है।